Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज़

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2025-27
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | जनवरी 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 02 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

विश्वकर्मा दिवस से शुरू होगा हिंदुस्तान की शान सीजन 4 का आगाज .... पेज - 2

विश्वकर्मा दिवस से शुरू होगा हिंदुस्तान की शान सीजन 4 का आगाज

मुंबई। वुड पैनल इंडस्ट्री के प्रमुख ब्रांड ग्रीनप्लाई की ओर से कारपेंटर और कॉन्ट्रेक्टर को पूरे देश में पहचान दिलाने का अभियान हिंदुस्तान की शान कार्यक्रम के चौथे सीजन का नामांकन 31 जनवरी को श्री विश्वकर्मा दिवस से शुरू किया जायेगा। ग्रीनप्लाई की ओर से आयोजित हिंदुस्तान की शान सीजन 1, सीजन 2 और सीजन 3 की ऐतिहासिक सफलता के बाद वुड शिल्पकारों को सीजन 4 का बेसब्री से इंतजार था।

शिल्पकारों को पहचान दिलाने वाले हिंदुस्तान की शान प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए देश के किसी भी हिस्से से कारपेंटर और कॉन्ट्रेक्टर अपनी कला को सम्मानित, पुरस्कृत करने के लिए अब सीजन 4 में भाग ले सकते हैं। ग्रीनप्लाई के इस खास मुहीम से जुड़ने के लिए क्षेत्रीय प्रतियोगिता में भाग लेना होगा, जिसमें आपके वुड पैनल कौशल और ज्ञान का मूल्यांकन / परीक्षण किया जायेगा। स्कोर के आधार पर प्रतियोगी को फर्नीचर एंड फिटिंग्स स्किल काउंसिल (FFSC) की ओर से प्रशिक्षण और प्रमाणन भी प्रदान किया जायेगा। सारे प्रतियोगी का अंतिम मूल्यांकन जूरी पैनल के साथ चर्चा के बाद होगा। हिंदुस्तान की शान राष्ट्रीय विजेता को 1,01,000/- रुपये, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जायेगा। रीजनल कैटेगरी के चार विजेताओं को प्रति 51,000/- ट्रॉफी और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जायेगा। ग्रीनप्लाई आयोजित हिंदुस्तान की शान सीजन 3 में देश के कोने कोने से करीब 1 लाख से अधिक कारपेंटर और कॉन्ट्रेक्टरों ने भाग लिया। लकड़ी के हुनरबाजों को पहचान दिलाने वाले इस कार्यक्रम में करीब 10,000 कारपेंटर और कॉन्ट्रेक्टरों ने ऑनलाइन हिस्सा लिया था।

विश्वकर्मा योजना के प्रशिक्षुओं को मिलेगी टूल किट

लखनऊ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री राकेश सचान ने उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर 24 जनवरी को आयोजित होने वाले यूपी दिवस समारोह में विश्वकर्मा योजना के प्रशिक्षुओं को टूलकिट वितरण कराने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि वितरण सुनिश्चित कराने के लिए सभी डीएम को निर्देशित कर दिया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के लिए आवंटित बजट का शत-प्रतिशत उपयोग करने की भी हिदायत दी। खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सभागार में विभागीय समीक्षा के दौरान एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री ने कहा कि विश्वकर्मा योजना की प्रगति की विस्तृत रिपोर्ट जल्द तैयार कर प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान को तहसील एवं ब्लाक स्तर तक और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और इसके तहत आयोजित होने वाले शिविरों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

विश्वकर्मा जयंती की तैयारी में जुटा सुथार समाज

जैसलमेर। सुथार पाड़ा स्थित विश्वकर्मा भवन में विश्वकर्मा भगवान की जयंती समारोह की पूर्ण तैयारी को लेकर विश्वकर्मा सुथार समाज संस्थान जैसलमेर की बैठक का आयोजन अध्यक्ष गुमानाराम कनोई की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में जयंती के सफल आयोजन के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही निमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर समाजबंधुओं को अलग अलग दायित्व सौंपे गए। सचिव राजेंद्र कुमार ने बताया कि 30 जनवरी को शाम 8 बजे भजन संध्या, 31 जनवरी को सुबह 8 बजे हवन पूजन व दोपहर 12 बजे महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कोषाध्यक्ष चनणाराम मांडन, व्यवस्थापक आनंद सलून, सह व्यवस्थापक सीपी सुथार, राणाराम मोहनगढ़, खेताराम नेहड़ाई, डूंगरदास जैसलमेर, शंकरलाल अड़बाला, सेवानिवृत आरएएस देवाराम, चंदनराम नेहड़ाई, दीनाराम बरडवा आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवार्ड समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। जेके सीमेंट लिमिटेड की ओर से आयोजित 34वें जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2025 का समारोह 21 दिसंबर को ताज पैलेस, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि और 26वें जेके एवाईए ग्रेट मास्टर्स अवार्ड विजेता आर्किटेक्ट शिरीष बेरी विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह में जेके सीमेंट लिमिटेड के वाइस चेयरमैन डॉ. निधिपति सिंघानिया, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. राघवपत सिंघानिया एंड चेयरमैन जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स, माधव कृष्ण सिंघानिया जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, एके सरावगी डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर और सीएफओ और राणा प्रताप सिंह, एडमिनिस्ट्रेटर - जेके एवाईए मौजूद रहे। डॉ. निधिपति ने जेके सीमेंट लिमिटेड की वास्तुकला, राष्ट्र निर्माण और सतत विकास के प्रति लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यदुपति सिंघानिया को समर्पित श्रद्धांजलि पुस्तक का विमोचन और विजेताओं की प्रदर्शनी रही।

कारपेंटर्स न्यूज़

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज में विज्ञापन या प्रतियों के लिए 9320566633 पर संपर्क करें।
Email: carpentersnews@gmail.com

मुंबई | जनवरी 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 02 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

डिजाइनर से 9.98 लाख की उगाही

मुंबई। विनोबा भावे नगर पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला ने कुर्ला के 31 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर से ऑनलाइन एस्कॉर्ट सेवा बुक करने के बाद, कथित तौर पर 9.98 लाख रुपये की उगाही की थी। शिकायतकर्ता इंटरनेट ब्राउज करते समय एक ऑनलाइन लिंक पर पहुंचा, जिसने उसे एक एस्कॉर्ट वेबसाइट पर निर्देशित किया। पीड़ित ने एक लिंक पर क्लिक किया, जिससे व्हाट्सएप चैट विंडो के जरिए वह संपर्क में आया।

विश्वकर्मा समाज को एकजुट होने की जरुरत

मुंबई। यूपी सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज का इतिहास सही रूप से देश के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके कारण आज हम निर्माणकर्ता से मालिक न बनकर केवल मजदूर बनकर रह गये। बीएमसी चुनाव में सपा उम्मीदवारों के चुनावी प्रचार के लिए मुंबई पहुंचे राम आसरे विश्वकर्मा ने सांताक्रुज (पूर्व) विश्वकर्मा समिति मुंबई संस्था की ओर आयोजित सत्कार समारोह में कहा कि हमारी वास्तविक पहचान आज तक नहीं बन पायी। यही कारण है कि विश्वकर्मा समाज की पूरे देश में उपेक्षा हो रही है।

हमें भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजों के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाना होगा। सपा सरकार में विश्वकर्मा समाज की भागीदारी से लेकर अनेक ऐसे सामाजिक कार्य किये गये जिससे विश्वकर्मा की सामाजिक मान्यता मिली थी। विश्वकर्मा समाज की आबादी के हिसाब से लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और सरकार में पूरी हिस्सेदारी की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से दी जा रही सभी सुविधाओं में विश्वकर्मा समाज की पूरी हिस्सेदारी तय किया जाये। विश्वकर्मा ने कहा कि हम अनेक संस्थाओं और पार्टियों में बंटे और बिखरे होने के कारण एकजुट नहीं हो सके। यही हमारे पिछड़ेपन का सबसे बड़ा कारण है। अब सभी को एकजुट होने की जरूरत है, ताकि विश्वकर्मा समाज के सम्मान, स्वाभिमान और हिस्सेदारी की लड़ाई लड़ी जा सके। इस अवसर पर विश्वकर्मा समिति मुंबई संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र चित्तबहाल विश्वकर्मा, चेयरमैन सुनील संतोष राणा, जनरल सेक्रेटरी एड. जे. पी. शर्मा, दिनेश शर्मा, बालगोविंद विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, परविंदर विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, लालचंद विश्वकर्मा ब्रजेश विश्वकर्मा,चन्द्रबली विश्वकर्मा, संतलाल विश्वकर्मा, चंद्रकेश विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या लोग उपस्थित रहे।

भाजपा ने दिया विश्वकर्मा समाज को सम्मान

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव प्रचार में पहुंचे यूपी सरकार के पूर्व राज्य मंत्री डॉ. कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा ने कहा कि पूरे देश में आम जनता के बीच भाजपा की लहर है। दादर (पूर्व) मुंबई भाजपा कार्यालय बसंत स्मृति में आयोजित विश्वकर्मा समाज की बैठक में उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से विश्वकर्मा समाज के महाबीर लाल विश्वकर्मा पहले सांसद बने। भाजपा ने रामचंद्र जांगड़ा को राज्यसभा सदस्य बनाया गया। वाराणसी से हंसराज विश्वकर्मा को जिला अध्यक्ष बनाने के साथ एमएलसी भी बनाया। गुजरात में जगदीश विश्वकर्मा को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर विश्वकर्मा समाज को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई महत्वपूर्ण स्थानों पर विश्वकर्मा समाज के लोगों की नियुक्ति की है।

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने कहा कि भाजपा का सबका साथ सबका विकास का स्लोगन सिर्फ नारा नहीं बल्कि इसे हम व्यवहार में भी लाते हैं। भाजपा में सभी वर्गों का सम्मान हो रहा है। उन्होंने कहा कि विकास तब होगा जब कानून व्यवस्था का पालन होगा। भ्रष्टाचार मुक्त शासन से सर्वांगीण विकास संभव है।

बैठक में विश्वकर्मा समिति मुंबई, सांताक्रुज के अध्यक्ष राजेंद्र चित्तबहाल विश्वकर्मा ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद विश्वकर्मा समाज की पहचान वैश्विक बन गई है। चेयरमेन सुनील संतोष राणा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विश्वकर्मा समाज का मान सम्मान बढ़ा है। इस अवसर पर संस्था के जनरल सेक्रेटरी एड. जे. पी. शर्मा दिनेश शर्मा, बालगोविंद विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, पत्रकार कमलेश विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, राम अवतार विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, परविंदर विश्वकर्मा, प्रेमधनी विश्वकर्मा, बालेंद्र विश्वकर्मा, कमलेश (गुड्डू) विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

पीएम विश्वकर्मा हाट – कारीगरों को अपने उत्पाद बेचने के लिए बेहतर मंच

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में आयोजित पीएम विश्वकर्मा हाट 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में इराक और रवांडा के राजदूतों, एमएसएमई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों, कारीगरों तथा अन्य हितधारकों ने भी अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने पीएम विश्वकर्मा योजना की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा गांव-स्तरीय पृष्ठभूमि से आने वाले कारीगरों को अपने उत्पाद बेचने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करता है और यह एक सराहनीय प्रयास है। केंद्रीय मंत्री ने विश्वकर्मा के महत्व को भी स्पष्ट किया और योजना के पीछे की परिकल्पना की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल और गतिशील नेतृत्व में यह योजना देश के प्रत्येक विश्वकर्मा को बाजारों तक पहुंच प्रदान कर रही है और उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान देने का अवसर दे रही है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में पीएम विश्वकर्मा पहल ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। पीएम विश्वकर्मा हाट के मंच पर विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 117 से अधिक कारीगरों की भागीदारी देखना वास्तव में उत्साहजनक है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम विश्वकर्मा गांव के कारीगरों को एक सक्षम मंच प्रदान कर उनसे जुड़ाव स्थापित करता है, जिससे उनके लिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच के नए मार्ग खुलते हैं। ये उपलब्धियां भारत सरकार के सतत प्रयासों और एमएसएमई मंत्रालय के समर्पित कार्य का परिणाम हैं।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव एस.सी.एल. दास ने पीएम विश्वकर्मा को एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि विश्वकर्माओं की समृद्ध और विविध क्षमता वास्तव में विरासत से विकास की परिकल्पना को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार विश्वकर्मा अपनी पारंपरिक दक्षताओं को सुंदरता और कौशल के साथ आगे बढ़ा रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उन्हें एक सशक्त एवं सक्षम मंच प्राप्त हुआ है, जिसने उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अपर सचिव एवं विकास आयुक्त डॉ. रजनीश ने पीएम विश्वकर्मा योजना की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वकर्मा भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के इंजन हैं। उन्होंने योजना के लाभों का विस्तार से उल्लेख किया और बताया कि यह किस प्रकार कारीगरों के लिए बेहतर एवं व्यापक विपणन अवसर सृजित कर रही है। हाट के दौरान बिहार और राजस्थान की विषयवस्तु पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं लोक नृत्य प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया, जिससे आयोजन में जीवंतता आई और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का सुंदर प्रदर्शन हुआ।

18 से 31 जनवरी तक आयोजित हो रहा दिल्ली हाट का पीएम विश्वकर्मा हाट 2026 अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ भारत की समृद्ध शिल्प परंपरा का उत्सव मना रहा है। यह प्रदर्शनी प्रतिदिन प्रातः 10:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। पीएम विश्वकर्मा हाट 2026 में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 117 से अधिक कारीगर भाग ले रहे हैं, जिससे यह पारंपरिक शिल्पों का अखिल भारतीय प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करता है। इस प्रदर्शनी में हस्तनिर्मित उत्पाद, लाइव शिल्प प्रदर्शन और विश्वकर्मा का अभियान, विकसित भारत का निर्माण की भावना को प्रतिबिंबित करने वाले समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव शामिल हैं।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना कारीगरों को लाभों का एक व्यापक पैकेज प्रदान करती है। इसके अंतर्गत पीएम विश्वकर्मा पहचान पत्र एवं प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं, ₹500 प्रतिदिन के भत्ते के साथ कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है तथा ₹15,000 तक की टूलकिट प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाती है। योजना के लाभार्थी ₹3 लाख तक के बिना जमानत ऋण के लिए भी पात्र होते हैं, साथ ही डिजिटल लेन-देन अपनाने पर प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त,यह योजना उत्पाद ब्रांडिंग, पैकेजिंग और ई-कॉमर्स सक्षमीकरण सहित विपणन सहायता के माध्यम से कारीगरों को सहयोग प्रदान करती है।

वीर साहिबजादों के उपकारों को भुलाया नहीं जा सकता

कामां। तीर्थराज विमल कुण्ड स्थित श्री हरि कृपा आश्रम में वीर बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व विश्व विख्यात संत स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव दिव्य प्रेरणा, संदेशों व उपदेशों का संचार करता है। श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज, गुरु तेग बहादुर अन्य सभी गुरुओं व अमर बलिदानी, वीर साहिबजादों के उपकारों का ऋण हम कभी चुका नहीं सकते व उनके अमर बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके जैसा अदम्य साहस, वीरता, शौर्य व पराक्रम अन्यत्र देखने को नहीं मिलेगा।

छोटी सी अवस्था में बिना घबराए मुगल सल्तनत के सामने अडिग खड़े रहकर उन आततायियों के दिल को भी दहला दिया था। इन वीर अमर बलिदानियों के अमर इतिहास से प्रेरणा लेकर राष्ट्र व धर्म के प्रति हम सभी के मन में समर्पण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के लिए गुरु गोविंद सिंह जी महाराज व दसों गुरुओं के महान योगदान को, सनातन हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए उनके समर्पण व बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। ज़िन्दा दीवारों में चिनवा दिए गए फिर भी अपने धर्म का परित्याग नहीं किया। महाराज जी ने जब उनका इतिहास सुनाया तो सभी की आंखों में आंसू बहने लगे। भाव विभोर होकर

उपस्थित विशाल समुदाय ने गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। महाराज श्री ने अरावली पर्वत-माला को बचाने के लिए सभी को जागरूक होने का भी संदेश दिया। ब्रज के द्वादश वनों में पंचम प्रमुख वन कामवन का पौराणिक व ऐतिहासिक नाम पुनः स्थापित करने के चल रहे अभियान की प्रशंसा एवं समर्थन किया। श्री महाराज जी तो प्रारंभ से ही कामवन धाम की जय जयकार करते हुए पूरे विश्व में अपने पावन जन्मस्थली का प्रचार प्रसार करते रहे हैं। संपूर्ण वातावरण श्री गुरु महाराज, कामां के कन्हैया, लाठी वाले भैय्या एवं कामवान धाम की जय जय कर से गूंज उठा। सभी ने श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज एवं अदम्य साहस के प्रतीक वीर अमर बलिदानी साहिबजादों को नमन किया।

जायका इंडिया का

आलू-सोवा

सोवा सर्दियों में पेट, पाचन और इम्यूनिटी के लिए बहुत फायदेमंद है। हल्की, लो कैलोरी, सुगंधित और देसी स्वाद से भरी सर्दियों की सबसे हेल्दी और स्वादिष्ट ड्राई सब्जी, सोवा भाजी की ताजी खुशबू जब आलू पर चढ़ती है तो सब्जी का स्वाद दोगुना हो जाता है।

सामग्री – सोवा भाजी 1 गुच्छा (बारीक कटी), आलू 3-4 (क्यूब्स में कटे), तेल 2 चम्मच, जीरा ½ चम्मच, हींग 1 चुटकी, हल्दी ½ चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 1 चम्मच, धनिया पाउडर 1 चम्मच, नमक स्वादानुसार, हरी मिर्च 1-2 (कटी हुई)।

विधि – कड़ाही में तेल गर्म कीजिए और उसमें जीरा व थोड़ा हींग डालकर चटकाएं। अब कटे हुए आलू डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक डालकर 2 मिनट भून लीजिए। अब इसमें बारीक कटी सोवा भाजी डालिए और अच्छी तरह मिला दीजिए। ढककर 6-7 मिनट धीमी आंच पर पकाएं, ताकि सोवा का स्वाद आलू में पूरी तरह समा जाए। जब आलू नरम हो जाएँ और भाजी सूखी लगने लगे, लीजिए आलू सोवा की सब्जी तैयार है।

निमोना

हरी मटर का निमोना उत्तर भारत, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार का एक पारंपरिक और स्वादिष्ट व्यंजन है। यह सर्दियों के मौसम में हरी मटर की ताजगी और खास मसालों के साथ बनाया जाता है। इसे चावल, रोटी या पराठे के साथ परोसा जाता है।

सामग्री – हरी मटर (छिली हुई) 2 कप, आलू 2 (मध्यम आकार के, छिले और कटे हुए), सरसों का तेल 3-4 चम्मच, हींग 1 चुटकी, जीरा 1 चम्मच, अदरक-लहसुन पेस्ट 1 चम्मच, हरी मिर्च 2 (बारीक कटी हुई), हल्दी पाउडर 1/2 चम्मच, धनिया पाउडर 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच, गरम मसाला 1/2 चम्मच,टमाटर 2 (बारीक कटे हुए), पानी 1.5 कप, धनिया पत्ती गार्निश के लिए, नमक स्वादानुसार

विधि – हरी मटर को हल्का दरदरा पीस लें। इसका पेस्ट पूरी तरह चिकना नहीं होना चाहिए। एक कढ़ाई में सरसों का तेल गरम करें। जब तेल से धुआं उठने लगे, तो आंच धीमी करें और उसमें हींग और जीरा डालकर तड़काएं। अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर भूनें। फिर कटे हुए टमाटर डालें और उन्हें नरम होने तक पकाएं। हल्दी, धनिया पाउडर, और लाल मिर्च पाउडर डालकर मसाले को अच्छी तरह से भूनें। अब मटर का दरदरा पेस्ट डालें और इसे 5-7 मिनट तक भूनें जब तक इसका कच्चापन दूर न हो जाए। कटे हुए आलू डालें और अच्छे से मिलाएं। आलू को मटर के मसाले के साथ 2-3 मिनट तक भूनें। कढ़ाई में पानी डालें, नमक और गरम मसाला मिलाएं। ढक्कन लगाकर धीमी आंच पर 15-20 मिनट तक पकाएं, जब तक आलू और मटर अच्छे से गल न जाएं। धनिया पत्ती से गार्निश करें। गरमा-गरम मटर का निमोना चावल, रोटी या पराठे के साथ परोसें।

सेहत

सर्दी के मौसम में एलर्जी से बचें

बदलते मौसम में कई तरह की एलर्जी की समस्याएं हो सकती हैं। धूप ज्यादा न होने से हवा में नमी और रूखापन बढ़ने लगता है। ऐसे मौसम में कई बैक्टीरिया और फफूंदी पैदा होने लगते हैं, जो हमारी त्वचा, आंखों और सांस की नलियों में प्रवेश करके उन पर सीधा असर डालते हैं। परिणामस्वरूप कई तरह की एलर्जी के मामले सामने आने लगते हैं।

इन दिनों धूप की कमी की वजह से हवा में नमी बढ़ी हुई है। इसके अलावा कई शहरों, महानगरों में प्रदूषण का स्तर भी काफी बढ़ा हुआ है। कोहरा और प्रदूषण मिलकर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करते हैं। इस दौरान कई तरह के बैक्टीरिया, धूल के कण और प्रदूषक पदार्थ की वजह से एलर्जी की समस्या पैदा होती है। एलर्जी के लक्षण सामान्य तौर पर सर्दी-जुकाम जैसे लग सकते हैं। लेकिन अगर ये लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो जाता है। किसी भी तरह की एलर्जी का सही ट्रीटमेंट न करने से शारीरिक समस्या और गंभीर हो सकती है। इसलिए लक्षणों पर नजर रखें और डॉक्टर से कंसल्ट करने में देर ना करें।

लगातार छींक आना – हवा में मौजूद नमी, नाक और श्वास नलियों को प्रभावित करती है, जिससे कई लोगों को या तो लगातार छींक आने लगती है या फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। बुखार भी आ सकता है। कुछ लोगों को ऐसे लक्षण केवल सुबह या शाम के समय दिखते हैं, जबकि दिन में तापमान बढ़ने पर ये लक्षण अपने आप रुक जाते हैं।

आंखों में जलन या खुजली होना– इस मौसम में हवा में रूखापन बहुत बढ़ जाता है, जिससे कुछ लोगों में आंखों का लाल होना या आंखों में जलन और पानी निकलने जैसी समस्याएं दिखने लगती हैं। तेज ठंडी हवाओं के चलने से भी ऐसी समस्याएं होने लगती हैं।

त्वचा पर रैशेज या ईचिंग – कई बार इंड के मौसम में हवा में मौजूद फंगस त्वचा की समस्याओं को बढ़ा देते हैं, जिससे रैशेज और इचिंग की समस्या बढ़ती है। रूखी हवाओं की वजह से भी स्किन रैशेज की समस्या बढ़ती है।

बचाव के उपाय – सर्दी के मौसम में होने वाली एलर्जी की समस्याओं से बचाव के लिए जब भी धूप निकले कुछ देर रोजाना धूप में जरूर बैठें। पहनने वाले कपड़े और बिस्तर नम न हो इसका ध्यान रखें। जब भी धूप निकले इसे जरूर सुखाएं। अगर एलर्जी या इंफेक्शन की वजह से नाक और गले में दर्द हो रहा हो तो भाप लेना फायदेमंद होता है। अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए घर का बना काढ़ा जिसमें हल्दी, गिलोय, नीबू तुलसी आदि शामिल हो। उसका नियमित सेवन करें। इससे कई तरह की एलर्जी से बचाव होगी। घर का बना ताजा और गर्म खाना खाएं ताकि इंफेक्शन होने की कम से कम संभावना हो। शरीर में पानी की कमी न होने दें। हाइड्रेटेड रहने से स्किन रैशेज होने की संभावना कम होती है। विटामिन-सी युक्त फलों जैसे संतरा, नींबू, अमरूद आदि का अधिक सेवन करें। होम्योपैथी में कुछ दवाएं एलर्जी से बचाती हैं। इसका सेवन डॉक्टर के कंसल्टेशन से ही करें।

– बुशरा फातिमा

NIKHIL
Mahacol
SINCE 1971
श्री विश्वकर्मा जयंती
की शुभकामनाएं
हाथों में हुनर, जोड़ों में मजबूती महाकोल के साथ।
PV STICK
SUPER HEATFIT
N3
MICA SPECIAL
JALVEER
MAHAQUICK
MP
German Technology

जम्मू मंदिरों का शहर

जम्मू को मंदिरों का शहर कहा जाता है। इसे अपने कई प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों के कारण जाना जाता है, जिनमें माता वैष्णो देवी, रघुनाथ मंदिर और शिव खोड़ी प्रमुख हैं, जो इसे एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र बनाते हैं। जम्मू में विश्वकर्मा समाज जहाँ आपसी एकता के साथ तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है, वही जम्मू कश्मीर के करीब 350 श्री विश्वकर्मा मंदिर हर वर्ग के लिए श्रद्धास्थान बन गए हैं। जम्मू के कुछ चुनिंदा विश्वकर्मा मंदिरों के बारे में जानकारी प्रस्तुत है।

श्री विश्वकर्मा मंदिर, राम नगर

राम नगर शहर, जम्मू से करीब 110 किलोमीटर दूर है। यह राम नगर तहसील का पहला मंदिर है जिसे जम्मू की विश्वकर्मा लाइब्रेरी की प्रेरणा से वहां के विश्वकर्मा लोगों ने बनवाया है। दिनांक 3 मार्च 2024 को इस नवनिर्मित

विश्वकर्मा मंदिर में मूर्ति स्थापना व प्राण-प्रतिष्ठा हुई। रामनगर कस्बे के वार्ड नं- 10 में स्थित इस मंदिर के लिए जमीन स्व. हुकुमचंद विश्वकर्मा ने दान की थी और मंदिर बनाने में जीवन कुमार धीमान (जेडईओ) और मास्टर हीमराज चाड़क ने मुख्य भूमिका निभाई। इस विश्वकर्मा मंदिर कमेटी के सदस्यों का मानना था कि मंदिर बनाने की कोशिश पिछले कई वर्षों से चल रही थी और श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी जम्मू की टीम भी लगातार प्रेरित कर रही रही थी। आशा की गई कि यह मंदिर विश्वकर्मा समाज को एकत्र और जागरूक करने में सहायक होगा। मूर्ति स्थापना अवसर पर करीब दो सौ लोगों का भंडारा हुआ, जिसमें जम्मू से बलवंत कटारिया, जोगिंदर अंगोत्रा, सुमन लता, ओम कटारिया, राज चलोत्रा, वीणा चलोत्रा और तारा चडगोत्रा भी शामिल हुए। ऊधमपुर से जगदेव चलोत्रा व सुनील कुमार शामिल हुए। इस अवसर पर प्रीतम धीमान, पोली देवी, रघुपति धीमान, जोगिंदर धीमान, सागर वर्मा, अशोक कुमार (ठेकेदार), कृष्ण लाल व अशोक कुमार (ठेकेदार) मजालता से, मदन लाल (जेईओ), मोहन लाल (पुलिस अधिकारी), सोहन लाल धीमान, श्याम प्यारे, दर्शन लाल (बीडीओ), मिलसा से शाम लाल, गिरधारी लाल बिरनू से, रतन सिंह, जगदेव सिंह, ठाकुर दस (जेडईओ), संजय कुमार आदि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 9858250709

विश्वकर्मा मंदिर, डिगियाना

जम्मू शहर में स्थित इस मंदिर का निर्माण रानी तालाब जम्मू की जमीन पर 1975 में विश्वकर्मा दिवस के दिन, बुआ दित्ता सलगोत्रा, मिल्खी राम, बारी राम चारगोत्रा, भाग सिंह, राजिंदर सिंह, प्रेम चंद, धनी राम, राम दास, यश पाल

चलोत्रा, जगदीश सिंह और अन्य कई समुदाय के सदस्यों द्वारा पांच पांच रुपये का चंदा इकट्ठा करके शुरू किया गया। 1989 में बैसाखी के दिन मंदिर की चारदीवारी का निर्माण किया गया। 2017 में विश्वकर्मा दिवस पर नए अध्यक्ष गुरमुख सिंह पठानिया की सहायता से मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया, जिन्होंने अधिकांश धनराशि दान की और साथ ही वहाँ उपस्थित विभिन्न सदस्यों से मौके पर ही 11 लाख रुपये का चंदा इकट्ठा किया। नए मंदिर पर लगभग एक करोड़ रुपये का खर्च आया। इससे पहले, 1990 में मंदिर समिति के तत्कालीन अध्यक्ष जगदीश सिंह की देखरेख में एक कम्युनिटी हाल का निर्माण किया गया था। जम्मू शहर के डिगियाना इलाके में 300 से ज्यादा विश्वकर्मा परिवार रहते हैं। शुरू में एक छोटा मंदिर बनाया गया था, लेकिन अब नया मंदिर बनाया गया है। मंदिर परिसर में एक बड़ा कम्युनिटी हॉल है, जिसमें छह सौ से ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता है। कॉम्प्लेक्स की जमीन पाँच कनाल से ज्यादा है। विश्वकर्मा दिवस के दिन यहां प्रति वर्ष हजारों भक्त भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद लेने आते हैं। जम्मू से प्रकाशित विश्वकर्मा रिपोर्टर 2023 ने कवर पेज पर इस मंदिर की फोटो छापी है। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 9858005928

श्री विश्वकर्मा मंदिर, नरवाल

विश्वकर्मा मंदिर जम्मू शहर के नरवाल इलाके में बनाया गया है। यह मंदिर वर्ष 2024 में पूरा हुआ था। नरवाल के सदस्यों ने विश्वकर्मा दिवस से तीन दिन पहले मूर्ति स्थापना करने के उपरांत भगवान विश्वकर्मा की शोभा यात्रा निकाल कर इतिहास रच डाला। शोभा यात्रा पूरे नरवाल, ट्रांसपोर्ट नगर में गुजरी और इस झांकी के माध्यम से भगवान विश्वकर्मा के दर्शन तमाम जनता को मिला। इस विश्वकर्मा शोभा यात्रा की खास बात यह रही कि नरवाल झांकी के आयोजक शशि स्याल के निवेदन पर एक झांकी विश्वकर्मा मंदिर न्यू प्लॉट की कमेटी ने तैयार करके नरवाल में भेजी। झांकी तैयार करने वालों में मोहिंदर लाल, रतन लाल, रमेश अंगोत्रा, सौरव सरोच, दिव्यांशी धीमान जोगिन्दर अंगोत्रा इत्यादि शामिल थे। नरवाल ट्रांसपोर्ट नगर विश्वकर्मा मंदिर में स्थानीय विधायक विक्रम रंधावा ने खूबसूरत विश्वकर्मा झांकी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और इसे भारतीय संस्कृति का प्रतीक बताते हुए सभी को मुबारकबाद दी। इस झांकी ने इस वर्ष प्रदेश विश्वकर्मा सभा जे के जूटी द्वारा विश्वकर्मा भगवान की शोभायात्रा निकालने की कमी पूरी कर दी। नरवाल ट्रांसपोर्ट यार्ड के गैर विश्वकर्मा शशि सयाल और मोहिंदर सिंह व उनकी कमेटी को विश्वकर्मा मंदिर बनाकर झांकी निकलने पर बधाई के पात्र हैं। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी इन सभी लोगों को सम्मानित करने का मन बना चुकी है। यह मंदिर जम्मू शहर में एक प्राइम लोकेशन पर है। बता दें ट्रांसपोर्ट नगर में भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने वाले वर्कशॉप और टेक्निकल लोग भरे पड़े हैं, इसलिए उन्होंने अपने पैसे से नया विश्वकर्मा मंदिर बनाया है। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 7006561115

श्री विश्वकर्मा मंदिर, मुट्ठी जागीर

जम्मू से करीब 70 किमी दूर कठुआ जिला में भगवान विश्वकर्मा के भक्तों ने

2024 में विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर इस मंदिर का निर्माण कराया। मंदिर कमेटी में हंसराज, रमन कुमार, जनक राज, सुदेश कुमार, कृष्ण गोपाल, परषोतम कुमार, अशोक रैना, स्वर्ण, बनारसी कुमार, अर्पण वर्मा, विक्रमजीत, गुलशन कुमार आदि शामिल हैं। मुठी जागीर गांव में करीब 40 विश्वकर्मा परिवार रहते हैं। विश्वकर्मा लाइब्रेरी की टीम ने वहां जाकर जानकारी नोट की है। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 7051946155

श्री विश्वकर्मा मंदिर, न्यू प्लॉट

वर्ष 1955 में बना यह विश्वकर्मा मंदिर जम्मू शहर का पहला और सबसे पुराना मंदिर है। अमरनाथ सभरवाल, सरदार अमर सिंह, राम लाल, बुआ दित्ता आदि की एक्टिव भूमिका से बना था, जिन्होंने 8 मरला जमीन खरीदी और इस मंदिर को बनाने के लिए कई कम्युनिटी मेंबर्स से पैसे इकट्ठा किए। उनकी तस्वीर और छोटी सी हिस्ट्री मंदिर के लाइब्रेरी हॉल में लगाई गई है। 2009 में जहाँ श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी बनाई गई, जम्मू और कश्मीर विश्वकर्मा सभा की स्थापना भी इसी मंदिर में हुई थी। इस मंदिर कॉम्प्लेक्स में दो कम्युनिटी हॉल है, जिसमें 60 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। हॉल को लोकल इंजीनियर विद्या सागर धीमान की लीड भूमिका में बनाया गया है। इस मंदिर में भी प्रति वर्ष विश्वकर्मा दिवस पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मोहिंदर लाल, जोगिंदर अंगोत्रा, रमेश अंगोत्रा, राम लाल (प्रिंसिपल), बलवंत कटारिया, पप्पू विरधी, रतन लाल वगैरह मंदिर कमेटी के मेंबर हैं। मंदिर समिति का संपर्क नंबर -9419356974

विश्वकर्मा मंदिर, कठुआ

यह मंदिर 1972 में स्व. रामचंद्र की मुख्य भूमिका में कठुआ जिले में बनाया गया था। यह मंदिर जम्मू शहर से 80 किलोमीटर की दूरी पर है।

मंदिर परिसर में एक कनाल जमीन है। मैनेजमेंट कमेटी ने इस मंदिर परिसर में दो कम्युनिटी हॉल बनाए हैं। मंदिर कमेटी के मौजूदा अध्यक्ष करतारनाथ वर्मा और जनरल सेक्रेटरी रविकांत वर्मा हैं। कमेटी की भावी योजना दूर दराज के इलाकों के विद्यार्थियों के लिए एक लाइब्रेरी बनाने की है। यहाँ पर प्रति वर्ष विश्वकर्मा दिवस बड़े उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण हिस्सा लेते हैं। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 9419150390

श्री विश्वकर्मा मंदिर, डडवाड़ा

यह मंदिर वर्ष 2009 में स्थानीय युवा यशपाल बोरनी की पहल पर बनाया गया था। डडवाडा गाँव जम्मू से लगभग 200 किलोमीटर दूर है।

मंदिर अच्छी तरह से बना हुआ है, जिसमें 6 कनाल से ज्यादा जमीन का एक कॉम्प्लेक्स है, जिसमें एक हवन कुंड हॉल, पुजारी झोपड़ी और लंगर शेड है। प्रति वर्ष 12 जून को मूर्ति स्थापना दिवस मनाया जाता है, जिसमें पूरे जम्मू प्रांत से हजारों लोग आते हैं। इस वर्ष जम्मू के लोगों ने भी हिस्सा लिया। इस मंदिर निर्माण में यशपाल बारनी (जिला जज), की मुख्य भूमिका है और वे विश्वकर्मा भगवान पर असीम आस्था रखते हैं। हर साल विश्वकर्मा लाइब्रेरी टीम भक्तों के बीच कैलेंडर और विश्वकर्मा रिपोर्टर मैगजीन बांटती है। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 9419212597

श्री विश्वकर्मा मंदिर, मिश्रीवाला

अखनूर रोड, मिश्रीवाला स्थित विश्वकर्मा मंदिर 1996 में पंडोरियन गांव के मंगल दास वर्मा की पहल पर बनाया गया था। जम्मू एंड कश्मीर के सिंचाई विभाग ने पॉपुलर के घने पेड़ लगाए थे। शुरू में लकड़ी का एक प्लेटफार्म बनाकर

विश्वकर्मा दिवस मनाया जाता था। इसके बाद वर्ष 1998 में स्थानीय विधायक अजय सधोत्रा ने मंदिर बनाने में मदद की। सोमदत्त, पुरुषोत्तम चरगोत्रा, बचन सिंह सरपंच, सतपाल, रशपाल सिंह वर्मा, बलवंत कटारिया और अनुसूचित जाति और सामान्य जातियों सहित कई अन्य जातियों के लोगों ने मंदिर के फंड में हिस्सा लिया और योगदान दिया। यह मंदिर जम्मू शहर से जम्मू-अखनूर रोड पर लगभग 15 किलोमीटर दूर है। वर्तमान में मंगल दास वर्मा मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन हैं। प्रति वर्ष दीपावली के अगले दिन विश्वकर्मा दिवस मनाया जाता है, जिसमें सूबे के मुख्यमंत्री सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 9070602372, 9419120296

श्री विश्वकर्मा मंदिर, गुढ़ा बख्शी नगर

यह मंदिर वर्ष 1970 में स्व. लखपत राय (ऊ रिटायर्ड), ज्ञान चंद, इंदरजीत धीमान, की पहल पर बनाया गया था। जम्मू शहर के शक्ति नगर इलाके में विश्वकर्मा समाज के लोगों की जनसंख्या अधिक है। शक्ति नगर, बख्शी नगर से सटा हुआ है। मंदिर कॉम्प्लेक्स में लगभग दो कनाल जमीन है, जहाँ लोगों ने एक सुंदर मंदिर और एक कम्युनिटी हॉल बनाया है। कम्युनिटी हॉल में 250 लोगों के बैठने की कैपेसिटी है। यह हॉल स्व. ज्ञान चंद चलोत्रा के खास योगदान से बनाया गया था। हाल ही में एयर कंडीशनर वाला एक मीटिंग हॉल बनाया गया है। मंदिर कमेटी प्रति वर्ष विश्वकर्मा दिवस और शोभा यात्रा मनाने के लिए काफी एक्टिव है। विश्वकर्मा सभा बख्शी नगर जम्मू ने 2 फरवरी 2025 को मंदिर कॉम्प्लेक्स में 43वां मूर्ति स्थापना दिवस जोश और उत्साह के साथ मनाया था। हवन के बाद, लंगर का आयोजन किया गया तरखान परिवारों के अलावा, सभी जातियों और धर्मों के लोग इस समारोह में शामिल हुए। प्रदेश विश्वकर्मा सभा जम्मू एंड कश्मीर का मुख्यालय भी इसी विश्वकर्मा मंदिर कॉम्प्लेक्स में है। इस परिसर में एक गेस्ट हाउस भी है जो अक्सर बाहर से आये मेहमानों को दिया जाता है। यह जम्मू शहर के पुराने मंदिरों में से एक है। मंदिर समिति का संपर्क नंबर - 9858053667,

HARRISON
HARRISON®
Glorious 75 Years
कारपेंटर भाईयों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
कारपेंटर भाईयों के लिए
आकर्षक उपहार
आज ही रजिस्टर करें और पाएं
अनेको उपहार
9:02 PM
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:- 9599281937
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

HARRISON®
Glorious 75+ Years

कारपेंटर भाइयों के लिए खुशखबरी

हरीसन के साथ काम करें, हर प्रोडक्ट पर QR स्कैन करें और आकर्षक इनाम पाएं

बनो हरीसन का **Mr. आनंद** रहो हमेशा आनंद में

आपकी मेहनत के लिए, नया सहारा
कारपेंटर भाइयों के लिए नई सौगातें!

Harrison चुनो, Winner बनो!

बाइक विजेता

Harrison Rewards Scheme ने हमारे मेहनती कारपेंटर साथियों को आगे बढ़ने का शानदार मौका दिया। सभी प्रतिभागियों ने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ स्कीम में भाग लिया, जिसके बदले कंपनी ने उन्हें मोबाइल फोन और बाइक जैसे आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया। यह इनाम उनके बेहतरीन काम, समय पर प्रोजेक्ट पूरा करने और Harrison ब्रांड पर भरोसे का नतीजा है। उनकी जीत यह साबित करती है कि जो कारपेंटर लगन से काम करता है और स्कीम में सक्रिय रहता है, वह अपनी किस्मत बदल सकता है। अब बहुत जल्द Harrison की नई Rewards Scheme शुरू होने वाली है, जिसमें हर कारपेंटर भाग ले सकता है। पंजीकरण करें, Harrison के प्रोडक्ट इस्तेमाल करें और एक्टिव रहें। Harrison का मकसद सिर्फ प्रोडक्ट बेचना नहीं, बल्कि हर कारपेंटर को पहचान, सम्मान और बेहतर भविष्य देना है।

फ़ोन विजेता

फ़ोन विजेता

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान

मात्र क्यू आर कॉड को स्कैन करने पर पाए उपहार

हरीसन का नया QR स्कैनिंग फीचर – कारपेंटर्स के लिए आसान इनाम!
देश के भरोसेमंद ब्रांड हरीसन ने कारपेंटर्स के लिए QR स्कैनिंग फीचर लॉन्च किया है, जिससे उपहार जीतना अब और भी आसान हो गया है।
कारपेंटर्स को हरीसन प्रोडक्ट की पैकिंग में दिए गए QR कोड को स्कैन करना है, और उनके रजिस्टर्ड प्रोफाइल पर पॉइंट्स अपने आप जुड़ जाएंगे। अब प्रोडक्ट की कट्टिंग संभालने की जरूरत नहीं, बस स्कैन करें और इनाम पाएं।
यह पहल कारपेंटर्स की सहूलियत और प्रोत्साहन के लिए की गई है। हरीसन हमेशा अपने कारीगरों के साथ खड़ा है!

उपहार जीतने की प्रक्रिया

स्टेप 1 — मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।

स्टेप 2 — प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकठ्ठा करे।

स्टेप 3 — दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

#harrison_carpentermeet

Find Us On : | Toll Free No. 1800-572-5795

Advt

भारत से पूरी दुनिया में पहुंचेगा शांति का संदेश

मुंबई। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि अशांति के घटक नहीं बनें, शांति का साम्राज्य स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। गोरेगांव (पश्चिम) जवाहर नगर स्थित आई बी पटेल स्कूल ग्राउंड में आयोजित विराट धर्म सम्मेलन में उन्होंने कहा कि समय रहते जागरूक होकर निस्वार्थ भाव से मिलजुलकर राष्ट्र व समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए यदि समुचित प्रयास किया जाए तो चारों तरफ शांति होगी और एक बार फिर सम्पूर्ण विश्व में शांति का संदेश यहीं से गूंज उठेगा। उन्होंने कहा कि आज सारे विश्व को शांति की आवश्यकता है। शांति मिलती है परन्तु दुर्भाग्यवश हम उसे स्थापित नहीं कर पाते। सुख और शांति विचारों में है, संतों व गुरुओं की शरण में है। यदि इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं हुआ तो हम शांति प्राप्त नहीं कर सकते।

अच्छा बोलो, अच्छा सुनो, अच्छा देखो, अच्छा संग करो, अच्छा विचारों और कल्याणकारी संकल्प करो। यदि परमात्मा का स्मरण नहीं है तो हम कभी भी शांति नहीं पा सकते। हम चाहें तो अपनी गलतियों से भी सीख सकते हैं, नहीं तो साक्षात परमात्मा भी आ जाए तो हम उनसे भी कुछ नहीं सीख सकते। यदि एक बार हम अपना दृष्टिकोण बदल कर देखें तो हमको इस सृष्टि में वो अच्छाइयाँ नजर आएगी जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की है।

उन्होंने कहा कि स्वयं जागो, औरों को जगाओ, अपने कल्याण के साथ औरों के कल्याण के भी भागीदार बनो। उठो, जागो कठिनाइयों, बाधाओं व परीक्षाओं से नहीं घबराकर निरंतर तब तक चलते रहो जब तक कि तुम्हें तुम्हारा लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए। लक्ष्य विहीन मानव का जीवन घड़ी के पेंडुलम की भांति है जो हिलता

डुलता है परंतु एक कदम भी आगे नहीं बढ़ता है। अभिमान प्रभु प्राप्ति में प्रमुख बाधक है। अभिमान चाहे रूप, धन, वैभव, तप, ज्ञान इत्यादि किसी प्रकार का क्यों ना हो, ठीक नहीं होता है। उन्होंने कहा कि मानव के जीवन पर संगति का प्रभाव अवश्य पड़ता है। इसलिए अच्छा देखो, अच्छा सुनो, अच्छा बोलो, अच्छा विचारों, अच्छा संग करो। खानपान व जीवन को सात्विक शुद्ध और संयमित बनाओ। खानपान का मन पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है।

स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि अधर्माचरण करने वाले कुमार्गगामी लोगों का संग त्याग कर, जितेंद्रिय, श्रेष्ठ महापुरुषों का संग व उनकी सेवा करके अपने जीवन को कल्याणमय बनाएं। क्योंकि सत्पुरुषों का आचरण व कार्य सदैव अनुकरणीय होता है। सत्संग का प्रकाश हमारे अंतर्मन को प्रकाशित करता है और हमें भी उस ज्ञान रूपी प्रकाश को अपने अंतर्मन में धारण कर परमपिता परमेश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए। जब तक सत्य का संग नहीं होगा सत्संग से भी कोई लाभ प्राप्त हो नहीं सकेगा। जिस प्रकार सूरज की किरणें हमें तब तक लाभ नहीं पहुंचा सकती जब तक कि हमारे घरों की खिड़की दरवाजे बंद रहेंगे, ठीक उसी प्रकार हम गुरु व परमात्मा की कृपा के अधिकारी तभी बन सकते हैं जबकि हम उनके द्वारा दिए गए ज्ञान रूपी प्रकाश को अपने अंतर्गत में उतारेंगे।

अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर सांसद रविन्द्र वायकर. श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, ज्ञानमूर्ति शर्मा, जितेंद्र सिंह, डॉ. संजय हेलाले आदि सहित बड़ी संख्या में भक्त समुदाय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हरिपुरी महाराज जी ने कई शहीद परिवारों, समाज के रियल हीरोज और डॉक्टरों को सम्मानित किया।

वरिष्ठ संतों ने किया स्वामीनारायण मंदिर में मूर्ति प्रतिष्ठा

मुंबई। बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था की ओर मुलुंड (पश्चिम) एम.जी. रोड और गणेश गावडे रोड के जंक्शन के पास स्थित नवनिर्मित स्वामीनारायण मंदिर में त्रि-दिवसीय मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव भव्य और दिव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ संपन्न हुआ। मांगलिक क्षण प्राण प्रतिष्ठा की रस्में सुबह 7. 30 बजे नए मंदिर परिसर में शुरू हुईं। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तिमय वातावरण के बीच बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के वरिष्ठ सद्गुरु पूज्य भक्तिप्रिय स्वामी (कोठारी स्वामी) और सद्गुरु पूज्य विवेक सागर स्वामी ने मूर्ति प्रतिष्ठा विधि संपन्न कराई। पंचरात्र आगम शास्त्रों के अनुसार मूर्तियों में दिव्य प्राण प्रतिष्ठा की गई। नूतन मंदिर में भगवान स्वामीनारायण और अक्षर ब्रह्म गुणातीतानंद स्वामी साथ ही श्री राधा-कृष्ण भगवान, श्री गुरु परंपरा, श्री हनुमान जी और श्री गणपति जी की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित की गई हैं।

शांति का धाम इस मंदिर का पुनर्निर्माण उसी पवित्र भूमि पर किया गया है जो पूर्व में ब्रह्मस्वरूप योगीजी महाराज और ब्रह्म स्वरूप प्रमुख स्वामी महाराज के चरणों से पावन हुई थी। यह कार्य प्रगट ब्रह्मस्वरुप महंत स्वामी महाराज की दिव्य प्रेरणा से संपन्न हुआ है। निर्मल लाइफस्टाइल मॉल में आयोजित सभा में वरिष्ठ संतों ने हजारों भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे शिक्षित समाज के लिए स्कूलों और स्वस्थ समाज के लिए अस्पतालों की आवश्यकता होती है, वैसे ही संस्कारी समाज के लिए मंदिरों की भी आवश्यकता होती है। मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव में मुंबई भर से हजारों भक्तों ने भाग लिया।

इंडिया बहुत खूबसूरत, उसकी तुलना जरूरी नहीं

कनाडा के कैलेव फ्रीसेन का सोशल मीडिया पर बयान

दिल्ली। भारत अपने आप में बेहद खूबियां हैं, उन्हें दुनिया के सामने पेश करने के लिए इंडिया को दूसरे देशों के शहरों से तुलना की जरूरत नहीं है। भारत को विदेशी जगहों से तुलना करने की आदत को छोड़ना चाहिए, यह बात कनाडा के एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कही। कैलेव फ्रीसेन नामक युवक ने एक्स पर अपनी वीडियो के साथ कहा कि यह जापान नहीं है, यह बेंगलुरु है। यह स्कॉटलैंड नहीं है, यह कूर्ग है। यह फ्रांस नहीं है, यह पुडुचेरी है। इसी तरह बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली टैग तर्कहीन है। फ्रीसेन ने वीडियो में, वह कई लोकप्रिय तुलनाओं की लिस्ट बनाते हुए कहा कि यह स्विट्ज़रलैंड नहीं है, यह गुलमर्ग है। यह बैंड कैन्यन नहीं है, यह गांडीकोटा है। यह निपाला फॉल्स नहीं है, यह चित्रकूट है। यह नीदरलैंड नहीं है, यह श्रीनगर है।

फ्रीसेन बताते हैं कि हालांकि ये तुलनाएं अक्सर तारीफ के साथ की जाती हैं, लेकिन भारत अनजाने में भारतीय जगहों को उनकी अपनी आंतरिक कीमत वाली जगहों के बजाय नकल के रूप में पेश करता है। इस तरह की ब्रांडिंग यह संकेत देती है कि प्रभावशाली तभी लगती हैं, जब उन्हें पश्चिमी या विदेशी पैमाने पर मापा जाता है, जो एक ऐसी मानसिकता है जिसे उनका मानना है कि भारत ने दशकों से अपना लिया है।

कथक नृत्य ही नहीं ईश्वर आराधना भी

मुंबई। कथक गुरु पंडित बिरजू महाराज की पुत्री ममता महाराज ने कहा कि बॉलीवुड कथक ने कथक के स्वरूप को बदल दिया है। फिल्मों में कथक का लिबास पहनाकर दर्शकों को जो दिखाया जा रहा है वह समझ से परे है। अंधेरी (पश्चिम) लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स, भक्ति वेदांत स्वामी मिशन स्कूल में नटराज संगीत अकादमी की ओर से 3 दिवसीय कथक कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि कथक की जड़ लखनऊ घराने से है, पंडित बिरजू महाराज लखनऊ के कालका-बिंदादीन घराने के एक्सपर्ट थे।

पंडित बिरजू महाराज सातवीं पीढ़ी थे और आज बनारस घराने की नौवीं पीढ़ी चल रही है जो कथक को संजोये हुए है। उन्होंने कहा कि सब घराने की अपनी अपनी खूबियां हैं। बनारस घराने की कथक नृत्य में अंग, प्रत्यंग, उपंग, चेहरा, लय ताल और अभिनय पर फोकस किया जाता है। इस नृत्य में सिर के बाल से लेकर पैर के नाखून तक शामिल रहता है। फिल्मों में दिखाए जाने वाले कथक नृत्य में पता नहीं चलता है कि ये कथक, भरतनाट्यम,उड्डीसी या फोक है। ममता महाराज ने कहा कि देवदास के गाने काहे छेड़ पर माधुरी के कथक नृत्य गुरु पंडित बिरजू महाराज ने निर्देशित किया था जबकि इसके ठुमरी बोल भी हमारे परदादा की थी। उन्होंने कहा कि पाकीजा, मुगले आजम, नया दौर, तीसरी कसम जैसी फिल्मों में कथक नृत्य को बेहतर तरीके से दिखाया गया है।

नटराज संगीत अकादमी की निर्देशिका संगीता सिन्हा ने कहा कि इस दौर में युवा अपनी संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। युवाओं का रुझान खासकर पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति की अहम नृत्य कला कथक को पुनर्जीवित करने की दिशा में कई लोग काम कर रहे हैं। मुंबई में भी अब नटराज संगीत अकादमी के माध्यम से इस नृत्य की बारीकियां सीखी जा सकती है।

EURO 7000 Wood Adhesive

जिनकी कला दिव्य स्वरूप, हमारे लिए वह प्रेरणा रूप।

हर घर की बुनियाद में, हर दीवार की मज़बूती में, और हर Furniture की खूबसूरती में कहीं न कहीं भगवान विश्वकर्मा जी का आशीर्वाद झलकता है। उनकी दी हुई कला और हुनर ही है, जो हमारी कल्पनाओं को सुंदर आकार देती है।

किसी शिल्पकार के हाथों से जब लकड़ी, पत्थर या लोहे को नया जीवन मिलता है, तो उसमें सिर्फ़ मेहनत नहीं, बल्कि भगवान विश्वकर्मा जी की दिव्यता भी शामिल होती है। इसी दिव्यता के सम्मान हेतु और बरसों से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, हमारे सारे Carpenter भाई फिर मिलेंगे **विश्वकर्मा जयंती** के लिए - अपने औज़ार भगवान को अर्पित कर उनकी दिव्यता को नमन करने के लिए।

इसी क्षण, EURO Adhesives विश्वकर्मा जी के साथ-साथ नमन करेगा उन सभी हाथों को जो हर दिन अपनी मेहनत, लगन, और कला से नए चमत्कार रचते हैं। उन सारे Carpenter भाइयों को जिनका हुनर और समर्पण हमारे लिए आशीर्वाद और प्रेरणा, दोनों है।

विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

फायदों के साथ जोड़ो

Zubaan Ke पक्के ReWards
स्कैन करें और जीतें

JYOTI RESINS AND ADHESIVES LIMITED

Email: inquiry@euroadhesives.com | www.euroadhesives.com | **Follow us**

मिशन पर निकलीं रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी एक बार फिर दमदार पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में बड़े पर्दे पर लौटने के लिए तैयार हैं। मदार्नी (2014) और मदार्नी 2 (2019) की सफलता के बाद अब मदार्नी 3 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जो बेहद दमदार संदेश के साथ उतरा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि शिवानी शिवाजी रॉय एक बार फिर उन लड़कियों को बचाने के मिशन पर हैं, जो रहस्यमयी तरीके से गायब हो जाती हैं। फिल्म की कहानी भीख माफिया की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इसके पीछे एक और गहरी और डरावनी साजिश भी छिपी हुई है। हमेशा की तरह शिवानी बिना डरे सिस्टम और अपराधियों से टकराती नजर आती हैं।

इस बार मदार्नी 3 की सबसे बड़ी खासियत है इसका विलेन। जहां पहले दोनों भागों में रानी मुखर्जी का सामना मेल खलनायकों से था, वहीं इस बार उनकी टक्कर एक खतरनाक महिला अपराधी अम्मा से है, जिसका किरदार अभिनेत्री मल्लिका प्रसाद निभा रही हैं। शिवानी और अम्मा के बीच होने वाला टकराव फिल्म का सबसे बड़ा हाईलाइट माना जा रहा है। अगर मदार्नी, मदार्नी 2 और मदार्नी 3 के ट्रेलर्स की तुलना की जाए, तो पहले दोनों फिल्मों के ट्रेलर ज्यादा प्रभावशाली लगते हैं। मदार्नी 3 का ट्रेलर मजबूत जरूर है, लेकिन उसमें वह चौंकाने वाला वॉव फैक्टर थोड़ा कम महसूस होता है। इसके बावजूद फ्रैंचाइजी की मजबूत साख को देखते हुए दर्शकों की उम्मीद इस फिल्म से काफी ऊंची हैं। मदार्नी फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म का निर्देशन दिवंगत प्रदीप सरकार ने किया था, जबकि मदार्नी 2 को गोपी पुथरन ने निर्देशित किया था। वहीं, मदार्नी 3 की कमान इस बार अभिराज मिनावाला ने संभाली है, जो इससे पहले लवयात्री का निर्देशन कर चुके हैं और टाइगर 3, वॉर 2 जैसी बड़ी फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम कर चुके हैं। पहले यह फिल्म 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ाकर 30 जनवरी 2026 कर दी गई है।

प्रियंका ने लूटी स्पॉटलाइट

हॉलीवुड की प्रतिष्ठित अवॉर्ड सेरेमनी- 83 वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में फिल्म और टेलीविजन जगत के बड़े सितारों ने शिरकत की। बेवर्ली हिल्स के प्रतिष्ठित बेवर्ली हिल्टन में आयोजित इस समारोह में कॉमेडियन निक्की ग्लेजर ने शो की मेजबानी की, जहां शैम्पेन, ग्लैमर और सितारों की मौजूदगी ने शाम को यादगार बना दिया। इस समारोह में भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस खास आकर्षण रहीं। वह इस साल गोल्डन ग्लोब्स में बतौर प्रेजेंटर शामिल हुईं और उनके साथ उनके पति व मशहूर सिंगर निक जोनस भी मौजूद थे। रेड कार्पेट पर प्रियंका ने ऑफ-शोल्डर नीले रंग का एलिगेंट गाउन पहनकर सभी का ध्यान खींच लिया। उनकी मुस्कान और पारंपरिक नमस्ते ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बार फिर भारतीय छाप छोड़ी प्रियंका के साथ चल रहे निक जोनस काले रंग के क्लासिक टक्सीडो में बेहद हैंडसम नजर आए। दोनों ने कैमरों के सामने पोज दिए, लेकिन सबसे खास पल तब आया जब प्रियंका तस्वीरें खिंचवा रही थीं और निक ने प्यार से आगे बढ़कर उनके बाल ठीक किए। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अवॉर्ड प्रेजेंट किया और टेलीविजन ड्रामा कैटेगरी में बेस्ट मेल एक्टर की अनाउंसमेंट की।

नोरा की गोल्डन ड्रेस का कमाल

नोरा फतेही की गोल्डन ड्रेस पहली नजर में ध्यान खींच लेती है, लेकिन इसकी असली खूबसूरती इसके डिजाइन में छिपी है। इस पूरे आउटफिट का केंद्र बिंदु इसका ऊपरी हिस्सा है, जो कमर के आसपास हल्के घेर के साथ तैयार किया गया है। इसलिए इसकी सजावट बेहद सुंदर लग रही है। इस ड्रेस के ऊपरी हिस्से से नीचे की ओर तक घेरदार, लंबी बनावट जैसा दिखा रहा है। यह शरीर के साथ सहजता से फैलता हुआ नजर आ रहा है। यानी इसमें ज्यादा घेर या भारीपन नहीं है, बल्कि इसकी सादगी ही इसे खास बनाती है। लहंगे के किनारों और सजावटी बटन ने भी इसे काफी खूबसूरत बना दिया है।

इस परिधान में की गई सजावट न तो जरूरत से ज्यादा है, और न ही कम है। इसके अलावा पारंपरिक बटन की वजह से इस ड्रेस में संस्कृति नजर आ रही है। यह एक ऐसा उदाहरण है, जहां पुरानी कला नई सोच के साथ मिलकर कुछ खास रचने लगी है। इस पूरी ड्रेस में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली चीज नोरा फतेही का आत्मविश्वास है। उनका हावभाव, उनकी चाल और उनका सहज अंदाज इस बात को दिखाता है कि, पहनावा वही होता है, जिसमें पहनने वाला खुद को सबसे बेहतर महसूस कर सके। नोरा फतेही का यह रूप आज के फैशन के लिए एक साफ संदेश देता है। अगर कारीगरी मजबूत हो और रंगों का संतुलन सही रखा जाए, तो चमकती हुई ड्रेस बनाई जा सकती है। खासकर किस शरीर के हिसाब से कौनसी ड्रेस बेहतरीन लगेगी, इस बात का ध्यान भी रखना होता है। कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने इस पूरी ड्रेस को डिजाइन किया है।

कांतारा ऑस्कर में हुई नॉमिनेट

भारतीय सिनेमा और संस्कृति से जुड़ी कहानी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने जा रही है। ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा ऑस्कर अवॉर्ड 2026 की एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल हो गई है। बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय इस उपलब्धि पर काफी उत्साहित नजर आए और उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर व अभिनेता ऋषभ शेट्टी को सोशल मीडिया पर बधाई दी। फिल्म कर्नाटक के तुलुनाडु इलाके की लोक परंपराओं और भूत कोला जैसी आदिवासी रीति-रिवाजों को बड़े पर्दे पर जीवंत करती है। अब इस कहानी ने इंटरनेशनल मंच पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। हाल ही में 98वें ऑस्कर अवॉर्ड्स के लिए कुल 317 फीचर फिल्में एलिजिबल मानी गई हैं, जिनमें से 201 को बेस्ट पिक्चर कैटेगरी के लिए घोषित किया गया। इस लिस्ट में भारत की चार फिल्में - कांतारा:

चैप्टर 1, अनुपम खेर की तन्वी द ग्रेट, एम. ससीकुमार की टूरिस्ट फैमिली, और एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा शामिल हैं। इस ऐतिहासिक सफलता पर विवेक ओबेरॉय ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया और ऋषभ शेट्टी को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि जो परंपरा कभी तुलुनाडु की सीमाओं तक ही सीमित थी, अब वह पूरी दुनिया में अपनी गूंज बिखेर रही है। उन्होंने आगे कहा कि मेरे भाई ऋषभ शेट्टी को ढेर सारी बधाई। 98वें ऑस्कर में बेस्ट पिक्चर की रेस में पहुंचना सिर्फ सम्मान नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों की आवाज है, जो अब दुनिया के सबसे बड़े मंच पर गूंज रही है। ऋषभ ने भारत की मिट्टी, संस्कृति और आत्मा को पूरी दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया है। कांतारा: चैप्टर 1 ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है। यह फिल्म 2025 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसने छावा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए मात्र 25 दिनों में दुनियाभर से 813 करोड़ का कलेक्शन किया था। ऋषभ शेट्टी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 2022 की हिट फिल्म कांतारा की प्रीक्वल है। कहानी प्री-कोलोनियल भारत के एक आदिवासी युवक बर्मे के संघर्ष को दिखाती है, जो अपने लोगों के सम्मान और अधिकारों के लिए जमींदारों के खिलाफ खड़ा होता है। फिल्म में भूत कोला की परंपरा को गहराई से दिखाया गया है। इसके अलावा रुक्मिणी वसंत, गुलशन देवैया और जयराम ने भी अहम किरदार निभाए हैं।

शाहिद कपूर का डार्क अवतार

फिल्मकार विशाल भारद्वाज की अपकमिंग फिल्म ओ रोमियो को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट बनी हुई है। रोमांस, वायलेंस और अजीबोगरीब किरदारों से भरी इस फिल्म की पहली झलक ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी है। इस टीजर की शुरूआत एक नाव पर होती है, जहां शाहिद कपूर का किरदार छोटू को आवाज लगाते हुए अपना आपा खो देता है। काउबॉय हैट, काला वेस्ट, भारी ज्वेलरी और शरीर पर बने टैटू उनके किरदार की हिंसक और बागी छवि को और

गहरा बनाते हैं। इसके बाद टीजर में नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया जैसे सितारों की झलक दिखाई जाती है, जिनके किरदार भी किसी न किसी तरह की सनक और अजीब हरकतों से भरे लगते हैं। आमतौर पर सौम्य भूमिकाओं में दिखने वाली फरीदा जलाल अचानक कहती हैं, इश्क में उठो तो रोमियो, और उसमें डूब जाओ तो। उनका यह डायलॉग दर्शकों को हैरान करने के साथ-साथ कहानी के डार्क जोन की झलक भी देता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

अरावली पर सरकार की मंशा आखिर क्या थी?

अरावली बचाओ अभियान की जीत हुई। सरकार की सलाह पर पहले सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की 100 मीटर तक ऊंचाई की पहाड़ियों को अरावली पर्वत श्रृंखला का हिस्सा न मानने का फैसला दिया था। इस मामले पर सरकार के विरोध में शुरू हुए तेज आंदोलन के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने ही आदेश पर रोक लगा दी गई है। इस निर्णय को अरावली बचाओ आंदोलन की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इससे अरावली के संरक्षण के लिए और समय मिल गया है। माना कि अरावली पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे देकर जनता की चिंताओं को गंभीरता से लिया है। लेकिन संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है, क्योंकि यह सत्य अभी सार्वजनिक होना बाकी है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में, अरावली की 100 मीटर की पहाड़ियों को अरावली का हिस्सा ही न मानने की सिफारिश किस मंशा से की थी?

सुप्रीम कोर्ट ने 29 दिसंबर 2025 को अरावली पहाड़ियों से जुड़े एक अहम फैसले में 20 नवंबर के अपने पिछले आदेश पर रोक लगा दी। इस पिछले आदेश में कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा पेश की गई 100 मीटर ऊंचाई के आधार पर अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा को स्वीकार किया था। लेकिन 29 दिसंबर को तीन जजों की बेंच ने इस नई परिभाषा पर सीधे कार्रवाई करने से पहले गहन समीक्षा की जरूरत बताई। कोर्ट ने यह भी कहा कि 100 मीटर नियम का व्यापक प्रभाव समझे बिना उसे लागू नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को कहा कि एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए, जो परिभाषा, ऊंचाई के मानदंड और खनन की संभावित अनुकूलता पर अध्ययन करे।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत सहित पार्टी नेताओं ने इस फैसले को जनता की आवाज की जीत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सही कदम के रूप में देखा। गहलोत ने आम तौर पर इस मुद्दे पर कहा कि अरावली रेंज को कमजोर करने वाली परिभाषा पर्यावरण और स्थानीय जीवन के लिए जोखिम भरी थी। उन्होंने अदालत द्वारा अपने ही फैसले को रोकने को लोगों की संवेदनशीलता को सम्मान देने वाला फैसला बताते हुए कहा कि वर्तमान पर्यावरणीय परिस्थितियों को देखते हुए यह बेहद आवश्यक है कि अरावली को लेकर अगली शताब्दी तक की स्थिति को सोचकर काम किया जाए। गहलोत ने इस मुहिम में जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के पर्यावरण मंत्री को भी अब पर्यावरण के हित में काम करने की सोच रखनी चाहिए। सरिस्का सहित पूरे अरावली में खनन बढ़ाने की सोच भविष्य के लिए खतरनाक है। गहलोत मानते हैं कि पर्यावरण संरक्षण पर जनता की चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना था कि सरकार और सुप्रीम कोर्ट के इस कदम से 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली महत्वपूर्ण पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हो सकती थी, जिससे खनन और पर्यावरणीय क्षरण बढ़ सकता था। पर्यावरण प्रेमियों और आंदोलनकारियों ने इसे आरंभ से ही अरावली के अस्तित्व के लिए खतरा बताया। कई विशेषज्ञों ने कहा कि अगर 100 मीटर मानदंड लागू होता तो पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील जमीनें अलग हो जाएंगी और उन्हें खनन और अवैध गतिविधियों के लिए खोल दिया जाएगा। 29 दिसंबर के फैसले पर प्रमुख पर्यावरणवादी और आंदोलन से जुड़े लोग इसे एक बड़ी जीत और न्याय का प्रतीक मानते हैं। उनका मानना है कि इस फैसले से यह संदेश गया है कि संरक्षण को केवल तकनीकी परिभाषा के आधार पर कमजोर नहीं किया जा सकता। कई ने कहा कि अदालत ने जनता की आवाज और वैज्ञानिक चिंताओं को सही ढंग से समझा है।

अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है जो गुजरात से दिल्ली तक लगभग 690 किमी में फैली हुई है और यह उत्तर-पश्चिम भारत के पारिस्थितिक संतुलन के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह भूजल रिचार्ज, धूल के तूफानों को रोकने, जैव विविधता और स्थानीय जलवायु को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती है। केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई 100 मीटर की नई परिभाषा ने पूरी अरावली को ही खतरे में डाल दिया, क्योंकि इसके तहत कम ऊंचाई वाली लगभग 90% पहाड़ियों को अरावली के दायरे से बाहर किया जा सकता था। जिससे वे इलाके खनन और निर्माण के लिए खोले जा सकते थे। इस फैसले के विरोध में राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली में अरावली बचाओ अभियान शुरू हुआ। राजस्थान में स्तर पर, इस मुद्दे को उठाया गया, इस व्यापक समर्थन ने जन आंदोलन का रूप धर लिया और आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को अपने ही फैसले को रोकना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट के 29 दिसंबर के फैसले के बाद केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों को लंबे समय से उठ रहे विवाद का समाधान ढूंढना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञ समिति गठित करने की बात कही है, जिसका मुख्य काम होगा कि अरावली की वास्तविक परिभाषा, ऊंचाई मानदंड और संरक्षण खतरे पर वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाए। सरकार अब अदालत के निर्देश के अनुसार नए नियमों को लागू करने से पहले वैज्ञानिक जांच और विशेषज्ञ रिपोर्ट तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। पर्यावरण मंत्री ने संकेत दिए हैं कि कोई भी नया खनन पट्टा तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक एक व्यापक और स्थायी प्रबंधन योजना तैयार नहीं हो जाती। अवैध खनन पर सरकार की रुख भी और अधिक कड़ी होने की उम्मीद है। हाल के समय में जैसे कुछ सरकारी निदेशों में पूरे अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज नहीं दी जाएगी जैसी बातें सामने आई हैं, यह संकेत है कि खनन पर नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण प्राथमिकता बनेगा।

अरावली बचाओ अभियान की सफलता लोकतंत्र, पर्यावरण चेतना और जनसहभागिता की प्रभावी मिसाल बन गई है। अदालत का फैसला यह भरोसा देता है कि कानून व्यवस्था पर्यावरणीय संवेदनशीलता को समझती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संघर्ष समाप्त हो गया, बल्कि इसका मतलब है कि अब संघर्ष ठोस नीति, वैज्ञानिकता और पारदर्शिता की मांग करेगा। अरावली सिर्फ राजस्थान की नहीं, यह उत्तर भारत की प्रकृति की रीढ़ है। जनता की एकजुटता से सुप्रीम कोर्ट ने समझा कि अगर अरावली बची रहेगी, तो ही रेगिस्तान की रेत शहरों तक नहीं पसरेगी, उत्तर भारत की हवाओं सहित जल का भविष्य सुरक्षित रहेगा और जनजीवन निखरेगा। इसी वजह से, अरावली पर यह फैसला आने वाले समय में देश की अन्य पर्यावरणीय लड़ाइयों के लिए भी दिशा तय कर सकता है।

–निरंजन परिहार
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

शरीर में दर्द और थकान हो सकता है फाइब्रोमायल्जिया

फाइब्रोमायल्जिया एक प्रकार का मसल्स में होने वाला दर्द है। इस डिसऑर्डर में आपको ज्यादा थकान, नींद ज्यादा आना, याददाश्त से जुड़ी समस्या और मूड खराब होने जैसे लक्षण देखने को मिल सकते हैं। यह डिसऑर्डर दर्द वाली सेंसेशन को और बढ़ा देता है और यह दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड द्वारा दर्द प्रोसेस करने वाले तरीके को प्रभावित करता है। इसके लक्षण व्यक्ति पर निर्भर करते हैं। किसी ट्रामा, सर्जरी या फिर मानसिक स्थिति के कारण इसके लक्षण और अधिक बढ़ सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार 5 मिलियन युवाओं में जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं, फाइब्रोमायल्जिया के शिकार हैं।

कई केसों में तो लक्षण एक-एक करके पता नहीं चलता है, बल्कि सारे एक साथ जमा होकर एक बार ही देखने को मिलते हैं। महिलाओं में इस स्थिति का रिस्क पुरुषों के मुकाबले ज्यादा होता है। जिन लोगों को यह डिसऑर्डर होता है उन्हें टेंशन वाला सिर दर्द, जॉइंट डिसऑर्डर आदि भी हो सकते हैं।

इस स्थिति के कारण होने वाला दर्द लगातार धीरे-धीरे होता है और यह कई महीनों से हो सकता है। आपके शरीर के दोनों साइड यह दर्द होता है और खासकर पेट के निचले भाग में दर्द ज्यादा होता है। अगर आप अपनी नींद पूरी कर भी लेते हैं तब भी

सुबह थके हुए उठते हैं। हो सकता है सोते समय आपकी नींद दर्द के कारण डिस्टर्ब हो गई हो और आप बेचैनी से पीड़ित रहे हो। पैर में भी काफी बेचैनी हो सकती है और स्लीप एपनीया का सामना करना पड़ सकता है। इस डिसऑर्डर के कारण ध्यान लगाने वाली क्षमता भी प्रभावित होती है जिस कारण आप अच्छे से फोकस नहीं कर पाते हैं और मेंटल फोकस करने वाले काम आप सही से नहीं पूरे कर पाते है।

जेनेटिक्स भी हो सकते हैं जिम्मेदार – इस स्थिति के कई सारे कारण हो सकते हैं जैसे जेनेटिक्स। अगर आपके परिवार में यह स्थिति किसी अन्य व्यक्ति को भी थी तो आपको भी इसका रिस्क ज्यादा हो सकता है। इसके अलावा इन्फेक्शन हो जाना भी इसका कारण हो सकता है और आपके जीवन के कुछ इवेंट्स जिनमें आपको मानसिक तनाव या ट्रामा मिला हो उनके कारण भी यह स्थिति हो सकती है।

रिस्क फैक्टर – महिलाओं में यह स्थिति होने का रिस्क पुरुषों के मुकाबले ज्यादा होता है। अगर आपके माता-पिता या भाई-बहन में से किसी को यह स्थिति है तो आपको भी इसका रिस्क हो सकता है। कुछ अन्य डिसऑर्डर जैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस, रूमेटाइड आर्थराइटिस जैसी स्थिति भी इसका रिस्क फैक्टर हो सकती हैं।

कश्मीर की महारानी दिद्दा का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई। कश्मीर की प्रथम महिला शासक (कैथरीन ऑफ कश्मीर) रानी दिद्दा का जन्मदिन श्री विश्वकर्मा एंड रिसर्च सेंटर, न्यू प्लॉट, जम्मू में मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यकारी सदस्यों ने भाग लिया। रानी दिद्दा के चित्र पर माल्यार्पण किया गया और उपस्थित लोगों को मिठाई वितरित की गई। 17 जनवरी 924 को जन्मीं, रानी दिद्दा लोहार वंश के सिंहराज की पुत्री थीं। उन्होंने 980 से लेकर 1003 तक कश्मीर में शासन किया। वह भारतीय इतिहास की कुछ गिनी-चुनी महिला शासकों में से एक हैं। लोहार वंश का राज पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में स्थित था, जो पश्चिमी पंजाब और कश्मीर के बीच एक व्यापार मार्ग पर पड़ता था। 26 वर्ष की आयु में उनका विवाह कश्मीर के राजा क्षेमगुप्त से हुआ। 958 में क्षेमगुप्त की मृत्यु के बाद, उनके पुत्र अभिमन्यु ने उनका स्थान लिया। अभिमन्यु अभी बालक ही थे, इसलिए दिद्दा ने शासक की भूमिका निभाई। दिद्दा के रहते महमूद गजनी ने कश्मीर पर आक्रमण करने का साहस नहीं किया। उन्होंने सुरक्षा के लिए तुंगा नामक एक चरवाहे से प्रेम किया और 980 में तुंगा को अपना प्रधानमंत्री बनाकर पूर्ण सत्ता अपने हाथ में ले ली। एक महिला होने के नाते, भारतीय इतिहास में उनका महत्वपूर्ण स्थान है। हालांकि, 1015 में गजनी का

कश्मीर अभियान लोहारकोट के किले पर कब्जा करने में असमर्थता के कारण विफल हो गया। उनकी मृत्यु 8 अगस्त 1003 को हुई। लोहार वंश का एक स्थान अभी भी जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में लोहार देवता के नाम से मौजूद है। इस अवसर पर बोलते हुए बलवंत कटारिया ने कहा कि इतिहासकारों ने लोहार वंश कि इस महारानी का इतिहास सही तरीके से पेश नहीं किया, इसका हमें खेद है। उन्होने कहा कि श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, न्यू प्लाट जम्मू, रानी दिद्दा का इतिहास उचित तरीके से सामने लाएगी। इस मौके पर रानी दिद्दा का एक बड़ा फोटो लाइब्रेरी में लगाया गया। जन्मदिन समारोह में जोगिंदर अंगोत्रा, मोहिंदर लाल, दिव्यांश धीमान, मीनाक्षी धीमान, पप्पू विरधी आदि उपस्थित रहे।

आशीष कौल की पुस्तक दिद्दाः द वॉरियर क्वीन ऑफ कश्मीर के मुताबिक लोहार राजवंश में जन्मी एक खूबसूरत नन्ही बच्ची दिद्दा को उसके मां-बाप सिर्फ इसलिए त्याग देते हैं कि वो अपंग पैदा हुई। नौकरानी का दूध पीकर पली-बढ़ी वो लड़की अपने अपंग होने को बाधा न मानते हुए युद्ध कला में पारंगत हुई और तरह-तरह के खेलों में निपुणता हासिल की। एक दिन आखेट के दौरान कश्मीर के राजा क्षेमगुप्त ने जब उस खूबसूरत राजकुमारी दिद्दा को देखा तो पहली ही नजर में दिल दे बैठे। दिद्दा की दिव्यांगता के बारे में जानने के बाद भी क्षेमगुप्त ने उनसे ब्याह रचाया था।

झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की प्रखंड कमेटी गठित

गिरिडीह। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज गिरिडीह प्रखंड का चुनाव श्री दुर्गा माता शिशु विद्या मंदिर मोहनपुर में हुआ। चुनाव में छोटेलाल शर्मा अध्यक्ष, सहदेव राणा सचिव और अविनाश विश्वकर्मा कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष पद पर दोनों निर्विरोध निर्वाचित हुए। सचिव पद के लिए सहदेव राणा व राहुल कुमार विश्वकर्मा ने नामांकन किया। सहदेव को 59 व राहुल को 22 वोट मिले। इनके अलावा प्रखंड उपाध्यक्ष सहदेव राणा, दीपक विश्वकर्मा, अरुण शर्मा, नरेश शर्मा, विनोद राणा व राजकुमार राणा, संयुक्त सचिव टेकलाल राणा, छोटेलाल राणा, राजकुमार राणा, सुनील राणा, भागवत शर्मा व सुधीर विश्वकर्मा, संगठन सचिव पप्पू शर्मा, अजीत विश्वकर्मा, बबलू राणा, नंदकिशोर विश्वकर्मा, पप्पू राणा व अजय शर्मा, उप कोषाध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा व कार्यालय सचिव संतोष राणा मनोनीत हुए। कार्यकारिणी सदस्य मिथलेश राणा, अशोक राणा, संदीप राणा, निरंजन राणा, संजय राणा, सुरेश शर्मा, कृष्णा शर्मा, राहुल विश्वकर्मा, अजय शर्मा, राजेंद्र राणा, दिलीप शर्मा, रंजीत राणा, बबलू राणा व अजय शर्मा बनाये गये। नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पदाधिकारियों को प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद राणा ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी।

विश्वकर्मा जयंती पर तीन दिवसीय समारोह

अजमेर। जांगिड़ ब्राह्मण बैंक की ओर से 31 जनवरी को विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन होंगे। बैंक के संचालक मंडल की बैठक अध्यक्ष राजेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। मंत्री धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रमों की शुरूआत 29 जनवरी को सुबह 8 बजे चंद्रवरदाई नगर स्टेडियम में क्रिकेट मैच से होगी। 30 जनवरी को महिलाओं व बच्चों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। दोपहर 3 बजे बैंक परिसर से वाहन रैली निकलेगी, जो केसरगंज, क्लॉक टावर और गांधी भवन होते हुए वापस बैंक पहुंचेगी। 31 जनवरी को सुबह यज्ञ-हवन, पुरुष वर्ग की स्पधाएँ और शाम 5 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम व पारितोषिक वितरण होगा। शांति पाठ के साथ महोत्सव का समापन होगा। बैठक में सीईओ सुधीर कुमार शर्मा मौजूद रहे।

विश्वकर्मा मंदिरों से निकाली जाएगी झांकियां

पाली। जांगिड़ समाज की ओर से शिल्प ज्ञान विज्ञान और कला-कौशल के आविष्कारक भगवान विश्वकर्मा जयंती 31 जनवरी को मनाई जाएगी। मंदिरों को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। जगह-जगह तोरण द्वार लगाए जाएंगे। मंदिरों में हवन कीर्तन होंगे। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला पाली अध्यक्ष भंवरलाल आसदेव ने बताया कि जिलेभर के विश्वकर्मा मंदिरों में कार्यक्रम होंगे। महासभा जिला प्रचारमंत्री घेवरचन्द आर्य ने बताया कि 30 जनवरी शाम 6:30 बजे गोधूलि वेला में महाआरती कर कार्यक्रम का आगाज होगा। रात्रि 9:00 बजे से एक शाम विश्वकर्मा के नाम भजन संध्या होगी जो भोर तक चलेगी।

भामाशाहों द्वारा आगामी वर्ष की बोलियां लगाई जाएगी। 31 जनवरी को सुबह 6 बजे हवन यज्ञ तथा सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार, 7 बजे से ध्वजारोहण एवं प्रातः कालीन महाआरती के बाद 8 बजे से भगवान विश्वकर्मा के जीवन से संबंधित झांकियां और भजन मंडलियों एवं बैंड की स्वर लहरियों के साथ शोभायात्रा निकलेगी। इसमें युवतियां और महिलाओं की कलश यात्रा आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसके बाद आम सभा और सम्मान समारोह होंगे।

गरीब मजदूरों को टंडन आई हॉस्पिटल दे रही निःशुल्क नेत्र चिकित्सा

मुंबई। गरीब मजदूरों और नेत्र बाधित कन्याओं को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने का संकल्प टंडन आई हॉस्पिटल आगे भी निरंतर निभाता रहेगा। अंधेरी (पश्चिम) जेपी रोड, मनीष नगर स्थित अडानी इंस्पायर में टंडन आई हॉस्पिटल के दूसरे स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उक्त बातें प्रसिद्ध नेत्र सर्जन व टंडन आई हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अशोक टंडन ने कही। डॉ. टंडन ने कहा कि इस आई हॉस्पिटल की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, विशेषकर गरीब कामगारों और नेत्र बाधित कन्याओं को निःशुल्क व

गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो आर्थिक तंगी के कारण समय पर आंखों का इलाज नहीं करवा पाते और धीरे-धीरे दृष्टिहीनता का शिकार हो जाते हैं। ऐसे जरूरतमंद लोगों को रोशनी और खुशियों की सौगात देने के उद्देश्य से ही टंडन नेत्र चिकित्सालय की नींव डाली गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में यह आई हॉस्पिटल समाजसेवा और नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि नवनिर्वाचित नगर सेविका सुधा सिंह ने कहा कि टंडन नेत्र चिकित्सालय की ओर से जरूरतमंदों को रोशनी देने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणादायी है और सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि टंडन आई हॉस्पिटल की ओर से सुदृष्टि योजना के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह एक दिन गरीब कामगारों और नेत्र बाधित कन्याओं का पूर्णतः निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। समाज में सक्षम लोगों की सेवा तो सभी करते हैं, लेकिन जरूरतमंद और अक्षम व्यक्तियों की सेवा विरले ही लोग करते हैं। अक्षम लोगों की सेवा करना ही सच्चा पुण्य कार्य है। कार्यक्रम के दौरान नगरसेविका सुधा सिंह का टंडन आई हॉस्पिटल परिवार की ओर से सत्कार किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माता को दी गई श्रद्धांजलि

दिनेश कुमार गौड़@नई दिल्ली। देश के प्रसिद्ध मूर्तिकार और दुनिया की सबसे ऊँची सरदार वल्लभ भाई पटेल को प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार का नोएडा के सेक्टर - 19 स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे और लम्बे समय से उम्र से जुड़े बिमारियों से पीड़ित थे। 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र के वर्तमान धुले जिले के गोन्दूर गांव में एक साधारण परिवार में जन्मे राम सुतार का झुकाव बचपन से ही मूर्तिकला की ओर था। उन्होंने मुंबई के जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर से शिक्षा प्राप्त की और स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय मूर्तिकला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला लम्बा और उल्लेखनीय रचनात्मक सफर तय किया।

दिल्ली में स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में देश भर से आए प्रतिष्ठित और उनके चाहने वाले कला जगत के लोगों ने राम सुतार को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उनके शिष्य और उनसे जुड़े लोग अपनी नम आंखों से उनके द्वारा किए गए उस महान सृजन को याद कर रहे थे, जो किसी एक जीवन में करना संभव नहीं था। अपने गुरु समान पिता को अपने सजल नेत्रों से पुत्र डॉ. अनिल राम सुतार ने पिताजी से सीखे गए कार्यों और उनके साथ बिताए गए भावुक पलों को याद किया और उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को अपनी ताकत बनाकर आगे उनकी विरासत को बढ़ाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री ने शोक संदेश में कहा कि राम सुतार की सृजनशील प्रतिभा और समर्पण ने भारतीय कला को वैश्विक मंच पर पहचान दी। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी सहित अनेकों स्मारक केवल शिल्पकृति में नहीं बल्कि भारत के इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति हैं। राम सुतार ने अपने दीर्घ और समर्पित जीवन में उनकी कृतियों में निहित संवेदना, साधना और राष्ट्रवाद आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने भेजे गए शोक संदेश में कहा कि पद्मभूषण से अलंकृत राम सुतार भारतीय मूर्ति कला के ऐसे अप्रतिम साधक थे जिन्होंने अपनी शिल्प कला, सृजन शक्ति से राष्ट्रभाव और संस्कृति को मूर्त स्वरूप प्रदान किया है। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के प्रमुख शिल्पकार के रूप में उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल विराट व्यक्तित्व को विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के रूप में अमर कर दिया, जो राष्ट्रीय एकता का वैश्विक प्रतीक बन गई। संसद और देश विदेश में लगी देश की महान विभूतियों की प्रतिमाओं में अपनी सूक्ष्म अभिव्यक्ति, यथार्थवाद और भाव गहनता का प्रदर्शन अद्वितीय रहा है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने शोक संदेश पत्र में राम सुतार के निधन को विश्व कला जगत के लिए बड़ी क्षति बताया। उन्होंने कहा कि बहुत से पूर्व राष्ट्रपतियों ने उनको अपने हाथों से सम्मानित किया, जिनमें कुछ की प्रतिमाएं राष्ट्रपति भवन की गैलरी में राम सुतार के हाथों से निर्मित की गई है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने शोक संदेश में राम सुतार के निधन को एक अपूर्णीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि हमने एक ऐसे शिल्पकार को खो दिया, जो भारत की महान विभूतियों की प्रतिमाओं को उनके व्यक्तित्व के साथ जीवंत करते थे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने महान शिल्पकार राम सुतार के निधन को विश्वकर्मा समाज के साथ साथ देश की अपूर्णीय क्षति बताया। इस अवसर पर आयोजित प्रार्थना सभा में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें भारतीय कला जगत के अनेकों लोग थे। विभिन्न विधाओं से आने वाले लोगों ने उनको अपनी अपनी श्रद्धांजली अर्पित की।

भारतीय मानक ब्यूरो के स्थापना दिवस पर मानकीकरण पर चर्चा

मुंबई। बीआईएस पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से अंधेरी (पूर्व) सीप्झ स्थित भारत रत्नम मेगा सी एफ सी में बीआईएस स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मानकों के माध्यम से भारत में गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना विषय पर उद्योग बैठक का आयोजन किया गया।

वी. गोपीनाथ, उप महानिदेशक (पश्चिमी क्षेत्र), बीआईएस ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और प्रभावी मानकीकरण, प्रमाणन व हितधारकों की सहभागिता के माध्यम से देश की गुणवत्ता अवसंरचना को मजबूत करने में बीआईएस की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानकों के विकास और कार्यान्वयन में उद्योग की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर भी बल दिया।

आई आई टी बॉम्बे के उप निदेशक प्रो. मिलिंद अत्रे ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उद्घाटन संबोधन दिया। उन्होंने तकनीकी प्रगति, नवाचार और सतत विकास को आगे बढ़ाने में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। साथ ही, भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए शिक्षा जगत, उद्योग और मानक संस्थाओं के बीच सहयोग के महत्व पर बल दिया।

कार्यक्रम में उपभोक्ता परिसंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनंत शर्मा, बॉम्बे मेटल एक्सचेंज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और बीआईएस कार्यकारी परिषद के सदस्य महेंद्र मेहता व अखिल भारतीय खिलौना निमार्ता संघ के अध्यक्ष शब्बीर गबाजीवाला ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने भारतीय मानकों की प्रासंगिकता, गुणवत्ता अनुपालन, उभरते बाजार और तकनीकी चुनौतियों व उपभोक्ता संरक्षण से निपटने के लिए बीआईएस के साथ निरंतर सहभागिता की आवश्यकता पर उद्योग के दृष्टिकोण साझा किए।

कार्यक्रम में बीआईएस की प्रमुख गतिविधियों और भविष्य की दिशा पर केंद्रित तकनीकी सत्र भी आयोजित किए गए। बीआईएस के वैज्ञानिक एफ प्रवीण कुमार ने हॉलमार्किंग योजना पर प्रस्तुति दी, जिसमें सोने और चांदी के आभूषणों की खरीद में उपभोक्ता संरक्षण, पारदर्शिता और विश्वास के महत्व पर बल दिया गया। बीआईएस के वैज्ञानिक- ई विजय के. सिंह ने प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन पर अपने विचार साझा किए और संगठनात्मक दक्षता एवं उत्कृष्टता में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

बीआईएस पश्चिमी क्षेत्रीय प्रयोगशाला के वैज्ञानिक डॉ. अनिल कपरी ने मानकीकरण के भविष्य पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसमें उभरती प्रौद्योगिकियों, नवाचार और वैश्विक मानकों के सामंजस्य पर ध्यान केंद्रित किया गया। बीआईएस के वैज्ञानिक डी शीतल पाटिल ने बीआईएस की यात्रा और विकास पर प्रस्तुति दी, जिसमें इसके प्रमुख पड़ावों और राष्ट्र निर्माण में योगदान को रेखांकित किया गया। बीआईएस मुंबई शाखा कार्यालय के वैज्ञानिक पिनाकी गुप्ता ने कार्यक्रम का समापन करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों व प्रतिभागियों की गरिमा उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया।

SKILLING PARTNER
FFSC
FURNITURE & FITTINGS SKILLS COUNCIL
HINDUSTAN KI SHAAN
Presented by Greenply
काम से कामयाबी तक
हिंदुस्तान की शान
सीज़न 4
प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए QR कोड स्कैन करें
हिंदुस्तान की शान अवॉर्ड, ग्रीनप्लाई की एक पहल है
जो वुड पैनल उद्योग के शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का मौका देती है।
आप सभी को विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ।